# उंगली आपस में बतलाए बहने तो है काहे को अभिमान

उंगली आपस में बतलाए बहने तो है,
काहे को अभिमान काहे को अभिमान,
बहन तो है काहे को अभिमान,

पहली उंगली यू उठ बोली सबसे पहली में ,
राधे राधे चक्कर दियो चलाए बहन मोहे याही को अभिमान,

दुजी उंगली यू उठ बोली सबसे बड़ी हूं मैं
राधे राधे लिखत पढ़त मेरो काम बहन मोहे याहि को अभिमान,

तीजी उंगली यू उट बोली पूजा को मेरो काम,
राधे-राधे तिलक लगावे संसार बहन मोहे याहि को अभिमान,

चौथी उंगली यू उठ बोली सबसे छोटी में,
राधे राधे गिरवर लियो उठाए बहन मोहे याहि को अभिमान,

पांचवा अंगूठा यू उठ बोलो सरकारी मेरो पति
राधे-राधे मोहर लगावे संसार बहन मोहे याहि को अभिमान,

छोटी हथेली यू झूठ बोली सत्संग में मेरो काम,
राधे राधे ताली बजाकर संसार बहन मोहे याहि को अभिमान,

https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/15214/title/ungli-apas-me-btlaaye-bahne-to-hai-kae-ko-abhimaan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |